The Resource Centre

Rajasthan Patrika

Date: 29/05/2010 **Page No:** 2 **Location:** Bollywood **Circulation:** 249313

Edition: Jaipur

Aise banoge Desh ki awaaj

ऐसे बनेंगे देश की आवाज ?

ज्यादातर लोग यही सोचते हैं कि 'इंडियन आइडल' जैसे रियलिटी टीवी शोज देशभर के 'नए' टैलेंट को मंच प्रदान करने का जरिया हैं। लेकिन वक्त आ गया है, जब लोग अपनी सोच पर फिर से विचार कर लें। हाल ही सोनी चैनल के लोकप्रिय शो 'इंडियन आइडल' में 17 प्रतिभागियों को चुना गया, जो गाला राउंड्स में एक दूसरे का मुकाबला कर रहे हैं, लेकिन पता चला है कि इन 17 में से चार पहले ही दूसरे किसी रियलिटी शो का हिस्सा रह चुके हैं। एक प्रतिभागी विश्वास रॉय 'सारेगामापा चैलेंज 2005' में आ चुके हैं। वे टॉप 11 में शामिल थे। इलाहबाद के 29 वर्षीय म्यूजिक टीचर विश्वास अगले साल 'एक मैं और एक तू' का हिस्सा भी बने थे, जहां वे अपनी सह प्रतिभागी ट्विंकल बाजपेयी को लेकर काफी चर्चा में रहे थे। एक और प्रतिभागी मनीषा कर्माकर कोलकता से हैं और वे भी 'सारेगामापा चैलेंज 2009' का हिस्सा रह चुकी हैं।

इसी शो के 18 वर्षीय यशराज कपिल भी एक और रियलिटी शो के हिस्सा रह चुके हैं। वे सिंगिंग रियलिटी शो 'सितारों को छूना है' के विनर रह चुके हैं। हालांकि यह शो ज्यादा लोकप्रिय नहीं हो पाया था। इसके प्रतिभागियों को एक तरह से बंधक बनाकर रखा गया था और बहुत ट्रेनिंग दी गई थी। दिल्ली के इस प्रतिभागी को म्यूजिक शोज का बहुत अनुभव है। सबसे दिलचस्प है चौथे प्रतिभागी श्रीरामचंद्र, जो पेशेवर गायक हैं और कुछ तेलुगू फिल्मों में पार्श्वगायन कर चुके हैं।

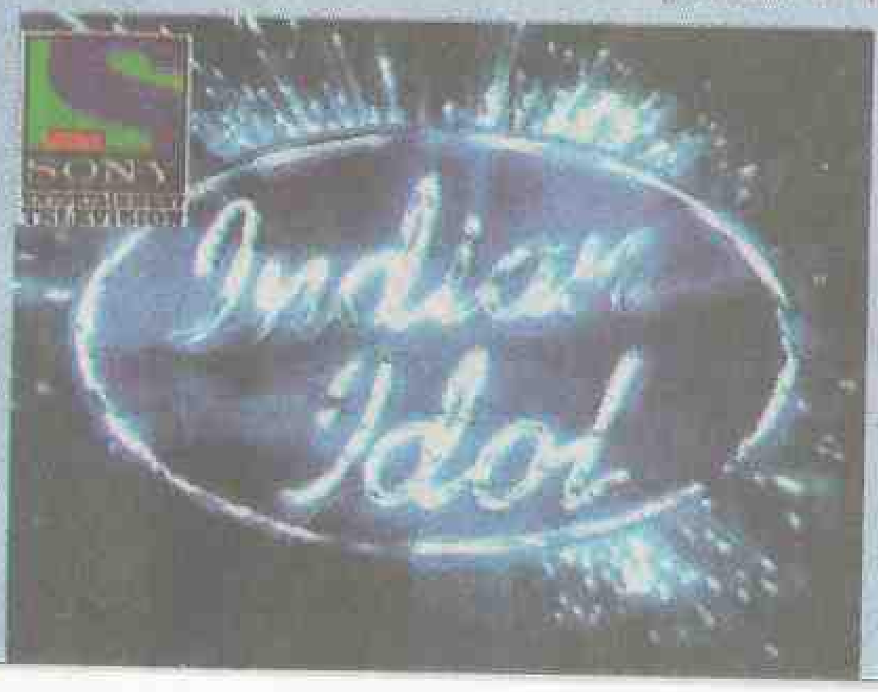

इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि प्रशिक्षित प्रतिभागियों से म्यूजिक रियलिटी शो अच्छा बनता है, लेकिन इन्हें अनुभवहीन प्रतिभागियों के साथ रखने से बात कुछ और ही हो जाती है। दरअसल यह उन प्रतिभागियों के साथ अन्याय है, जो अभी टेलीविजन पर गाने का अनुभव नहीं रखते और जिन्हें अभी और पॉलिश किए जाने की जरूरत है।

जब यह सवाल शो के जजों के सामने रखा गया, तो वे अनुभवी प्रतिभागियों को एक और मौका देने के मुद्दे को सहजता से ले गए। 'इंडियन आइडल' के जज सलीम मर्चेंट कहते हैं, 'हमने इन्हें इसलिए नहीं चुना कि ये दूसरे शोज में भाग ले चुके हैं। क्या आपको नहीं लगता इन्हें एक और मौका दिया जाना चाहिए? हमने उन्हें सुना वे ऑडिशन के लिए आए, लंबी कतार में लगकर आए और हमें उनकी आवाज अच्छी लगी। हम अच्छे सिंगर्स को बाहर कैसे छोड़ सकते थे। ये सिंगर्स यहां इसीलिए हैं कि हमें ये अच्छे लगे।' जज अनु मलिक कहते हैं, 'शो का फॉर्मेट ऐसा है कि हमें 16 से 29 वर्ष के उन लोगों को चुनना था जो अच्छा गाते हैं। हमने पुराने इंडियन आइडल प्रतिभागियों को भी मौका दिया है। कोई शख्स कोशिश करना थोड़े ही छोड़ सकता है। बल्कि मैंने तो कई लोगों को और मेहनत कर अगले साल आने को कहा है। मैं यहां यह देखने के लिए नहीं हूं कि कौन किस शो में था और किस वजह से बाहर हो गया। मुझे सिर्फ एक वो आवाज चाहिए जो देश की आवाज कहलाए।'

Copyright of the article is with the publication